बाइबल में हमें कई बार “हिव्वी” नामक एक प्राचीन जाति का उल्लेख मिलता है। जब इस्राएलियों ने प्रतिज्ञा किए हुए देश में प्रवेश किया, तब वे उन सात जातियों में से एक थे जिन्हें परमेश्वर ने वहाँ से निकालने की आज्ञा दी थी।

व्यवस्थाविवरण 7:1 में लिखा है:

“जब तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे उस देश में पहुँचाए जहाँ जाने
के लिये तू निकलता है, और तेरे सामने से बहुत-सी जातियों को—हित्ती, गिर्गाशी, एमोरी, कनानी, परिज्जी, हिव्वी और यबूसी—जो तुझ से बड़ी और सामर्थी हैं—निकाल दे।”

यह हमें बताता है कि हिव्वी एक स्थापित जाति थी, जो कनान देश में निवास करती थी।

हिव्वी कहाँ रहते थे?

हिव्वी कनान देश के उत्तरी और मध्य भागों में बसे हुए थे। बाइबल में विशेष रूप से उनका उल्लेख शेकेम और गिबोन के आसपास मिलता है।

यहोशू 11:3 कहता है:

“पर्वत के रहने वालों, और मिद्बार के दक्षिण और उत्तर के
रहने वालों, और कनानियों, जो पश्चिम की ओर रहते हैं, और एमोरियों, हित्तियों, परिज्जियों, यबूसियों, जो पर्वत पर रहते हैं, और हिव्वियों, जो हर्मोन पर्वत के नीचे मिस्फा देश में रहते हैं।”

इससे स्पष्ट होता है कि वे कनान देश के कई भागों में फैले हुए थे।

हिव्वियों के साथ इस्राएलियों का संबंध

यहोशू की पुस्तक में हम देखते हैं कि गिबोनियों ने, जो हिव्वी थे, चतुराई से इस्राएलियों के साथ वाचा बाँधी ताकि वे जीवित बच सकें।

यहोशू 9:7 में लिखा है:

“इस्राएलियों ने हिव्वियों से कहा, ‘कदाचित तुम हमारे बीच
ही रहते हो; तो हम तुम से किस प्रकार वाचा बाँध सकते हैं?’”

□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□ □□□ □□□ □□ □□ □□□, □□ □□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□, □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□

□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□

□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□, □□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□

□□□□□□□ 3:5-6 □□□ □□□□ □□:

> “□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □ □□□□, □□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□, □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□□□”

✝ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□; □□ □□□□ □□

भी यह सिखाते हैं कि हमें परमेश्वर की इच्छा के अनुसार चलना चाहिए और अपने ही ज्ञान या चालाकी पर निर्भर नहीं होना चाहिए।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP[1]….

Share on:
WhatsApp
Endnotes:
1. WHATSAPP GROUP:
https://chat.whatsapp.com/L3ysoFZcz058XCX9oLvKL1?s=cl&p=a&mlu=4&ilr=4